पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

मन थोड़ा-थोड़ा अनुभव लेना चाहता है, अनुभव के आधार से ही अपने को आगे बढ़ता देखता है, लेकिन वह अनुभव खुद का होना बहुत ज़रुरी है, ना कि दूसरे जो आपको अनुभव दें, उसे ही आप सबकुछ मान लें। लेकिन मन को रेडीमेड चीज़ें लेने की आदत पड़ गयी है, इसलिए वह चमत्कारिक अनुभव नहीं कर पा रहा है।

मनुष्यों की बेसिक नेचर है कि वह बातों को या किसी चीज़ को महसूस करने के लिए हमेशा किसी को पकड़ने का प्रयास करता है। पकड़ने का अर्थ है अनुभव। पूरे जीवन हमने सिर्फ अपने बड़ों से उनके अनुभव सुने, चाहे वह राइट है या रॉन्ग है, उन्हें हम मानते ही आए हैं। इससे हम ज़्यादातर डल होते गए। कारण क्या है, जो किसी का अनुभव है, वो आपका कैसे हो सकता है? वह ना तो आपकी स्थिति है, ना अभी आपकी इतनी अच्छी समझ है। अब आप बताओ, अगर आपने उसे वैसे ही फॉलो किया, तो क्या होगा?

इसलिए आज हम मन को हमेशा कन्फ्यूज़न में रखते हैं। उनका अनुभव सही है, कि इनका अनुभव सही है, किसको फॉलो करें, किसको ना करें? चलो आप भावना वश किसी को फॉलो कर भी लो, तो उससे आप आगे नहीं बढ़ पायेंगे, क्योंकि आप उन्हें सही मानकर चलने लग पड़ेंगे।

तो अब क्या करना है?

अब करना यह है कि हमें खुद की नॉलेज लेनी है। उसे समझकर खुद ही अनुभव

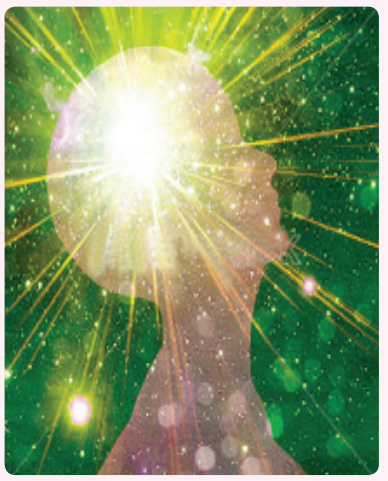

करना है। हम जैसे-जैसे अपने ज्ञान या समझ को बढ़ायेंगे, हमारे अनुभव उसी के साथ बढ़ते जायेंगे। जब ज्ञान तथा अनुभव बढ़ता जायेगा, तो उसी के आधार से आपकी अपने बारे में तथा दूसरों के बारे में मान्यतायें बदलती जायेंगी। जैसे आपकी अपने बारे में मान्यता बदली, आपका खुद का अनुभव बढ़ता जायेगा। फिर आप जो कुछ भी अपने को देंगे, वह सब मन स्वीकार करेगा। क्यों स्वीकार करेगा, क्योंकि वह खुद का अनुभव है। इसीलिए आज दुनिया में जेनरेशन गैप है, क्यों गैप है? वह अपने अनुभव थोपते हैं कि हमारे ज़माने में ऐसा हेता था। लेकिन जो न्यू जेनरेशन है, उसका अनुभव तो ऐसा नहीं है। अब आप बताओ कि यह सही है या गलत है? इसलिए लोग अपने अनुभव को ही सही मानते हैं, लेकिन वो सिचुएशनल है। हमारे साथ ऐसा नहीं है, तो हम फॉलो भी ठीक से नहीं कर पाते हैं। इसलिए अनुभव राइट तरीके से राइट डायरेक्शन में करो और इतना करो कि आपका मन आपके द्वारा सेट पैरामीटर को फॉलो करे और आगे बढ़े।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-19 (2017-2018)

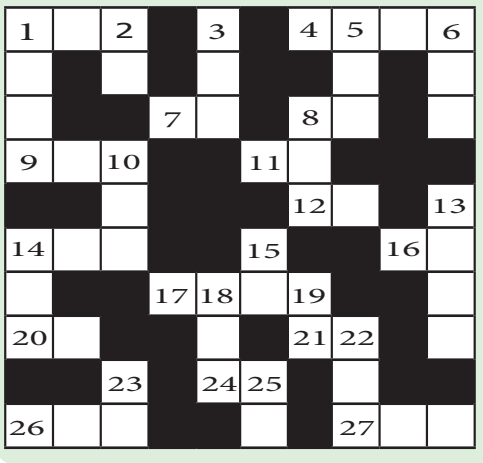

ऊपर से नीचे

1. अमृतवेला, प्रारंभिक समय (4)
2. घटक, अवयव (2)
3. बेहोश, निष्क्रिय (3)
5. तरंग, हवा का झोंका, तुम्हें ज्ञान की....चारों ओर फैलानी है (3)
6. दशरथ पुत्र, राम के भाई (3)
8. आँख, चक्षु (3)
10. नाशवान, क्षणभंगुर (3)
13. बाबा....जैसी पाप आत्माओं का भी उद्धार करते हैं (4)
14. जगत, विश्व, दुनिया (3)
15. हमेशा, नित्य, सर्वदा (2)
18. लाभ, नफ़ा, मुनाफा (3)
19. नस, नाड़ी (2)
22. बाप और स्वर्ग को याद करने से राजाई का ....मिल जायेगा (3)
23. सभा, अधिवेशन (2)
25. अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो तो अन्त....सो गति हो जायेगी (2)

बायें से दायें

1. धैर्य, धीरज, सब्र (3)
4. उथल-पुथल, हड़कंप, उपद्रव (4)
7. निशा, रात्रि (2)
8. व्यक्ति, मानव, मनुष्य (2)
9. लगी....बस एक यही, प्रीत (3)
11. सुझाव, सलाह, मत, विचार (2)
12. दोज़क, जहन्नुम (2)
14. स्वभाव, आदत (3)
16. राज्य के लोग, आम जनता (2)
17. वचन पालन करने वाला, निष्ठावान (4)
20. मणि, कीमती पत्थर, तुम बच्चे बाप के नूरे....हो (2)
21. रफ़्तार, चाल (2)
24. मूल्य, कीमत, भाव (2)
26. आचरण, चाल-चलन, व्यवहार (3)
27. लांछन, अपयश, दोष (3)

- ब्र.कु. राजेश,शांतिवन।

वर्ग पहेली उत्तर

पहेली - 5
दिसम्बर - 1 ओम - 17
2017 - 2018

ऊपर से नीचे
1. मतलबी, 2. भेष, 4. संग्रह, 5. गहना, 6. जन्मभूमि, 9. कमाल, 11. मालिक, 12. गृहयुद्ध, 14. साधन, 16. तराजू, 17. रास, 18. कल्पना, 19. कर, 20. सिमरण, 22. अमर, 24. हजार।

बायें से दायें
1. मतभेद, 3. सतसंग, 7. ग्रहण, 8. जन्म, 9. कहना, 10. बीमारी, 13. मिसाल, 15. मोह, 16. तकरार, 18. कनक, 20. सिद्ध, 21. जूना, 22. अल्प, 23. रहम, 25. मनाना, 26. जार, 27. जानकार, 28. शरण।

पहेली - 6
दिसम्बर - 2 ओम - 18
2017 - 2018

ऊपर से नीचे
1. राजयोगी, 2. वन, 3. रामायण, 4. हर्जाना, 5. रण, 11. ताबीज़, 12. कमर, 13. हारा, 15. कुमार, 16. हलाल, 17. महाकाल, 19. सरकना, 21. तिलक, 22. लक, 23. हप, 26. भोगी।

बायें से दायें
1. रावणराज्य, 4. हथियार, 6. जन, 7. हर्जा, 8. कायम, 9. नारद, 10. गीता, 14. हम, 15. कुहरा, 17. मजदूर, 18. माला, 19. सरलता, 20. कातिल, 23. हर, 24. ललक, 25. छिपकर, 27. योगी।

पहेली - 7
जनवरी - 1 ओम - 19
2017 - 2018

ऊपर से नीचे
1.आवाज़, 2. विनाश, 3. दुनिया, 4. इन्द्रप्रस्थ, 8. कल, 9. जानकी, 10. आहार, 12. जड़, 13. मतलब, 14. खिटखिट, 16. आकार, 17. शहर, 18. रटना, 20. दुश्मन, 22. राह, 23. साथी।

बायें से दायें
1. आजीविका, 3. दुर्गति, 5. शनि, 6. इन्द्र 7. शक, 11. लख, 12. जन, 13. महान, 14. खिड़की, 15. तर, 16. आहट, 18. रहट, 19. बहादुर, 21. टमाटर, 24. रहनसहन, 25. रथी।

पहेली - 8
जनवरी - 2 ओम -20
2017 - 2018

ऊपर से नीचे
1. फरमान, 2. जीत, 3. तकदीर, 4. जानवर, 5. नर्मदा, 10. नम, 12. जान, 13. प्रलय, 15. सबल, 16. उगारना, 17. झनकार, 18. बल, 21. बुलाना, 22. बुखार, 23. मना, 25. चर्म, 27. हम।

बायें से दायें
1. फज़िलत, 4. जाननहार, 6. रत, 7. कथन, 8. नदी, 9. वरदान, 11. मजा, 14. मास, 16. उलझना, 19. बस, 20. गायन, 21. बुलबुल, 24. रचना, 26. रहना।

जम्मू। 'वैश्विक ज्ञानोदय द्वारा स्वर्णिम युग' कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए सनातन सभा के पूर्व अध्यक्ष ब्रह्म स्वरूप जी, ब्र.कु. सुदर्शन बहन, ब्र.कु. रविन्दर तथा अन्य।

फतेहाबाद-हरियाणा। सिटी वेलफेयर क्लब एवं सरबत दा भला संस्था के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 'फ्री मेडिकल कैम्प' का उद्घाटन करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. सीता, ब्र.कु. मोहिनी, ब्र.कु. रिचा, होली हॉस्पिटल के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. देवेन्द्र सिंह, संस्था अध्यक्ष विनोद अरोड़ा, सुरेन्द्र गाबा, पंचनंद से राधेश्याम नारंग तथा अन्य।

बहादुरगढ़-हरियाणा। 'आध्यात्मिकता द्वारा कला में निखार' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए सीमा राठी, रानू मुखर्जी, ब्र.कु. युगरत्न, ब्र.कु. सतीश,मा.आबू, दर्शन रोहिला, वरुण रोहिला, कार्तिक दास, अजय प्रशांत, ब्र.कु. अंजलि, ब्र.कु. विनीता तथा ब्र.कु. रेनू।

घरौंडा-हरियाणा। 'इनक्रीज़िंग कॉन्सनट्रेशन-डिक्रीज़िंग एंगर' विषयक कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए प्रो. ब्र.कु. गौरव,मोटिवेशनल स्पीकर,पंचकुला, सतपाल सिंह, श्रीमति महिन्दर चौहान, ब्र.कु. रेनु, ब्र.कु. संगीता तथा अन्य।

शहीद भगत सिंह नगर-पंजाब। बार एसोसिएशन के नव नियुक्त प्रधान एडवोकेट गुरदेव सिंह काहलो को बधाई देने के पश्चात् ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. राम तथा ब्र.कु. पोखर।

दिल्ली-नांगलोई। 'गीतों भरी शाम शिव पिता के नाम' विषयक कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. आदेश। साथ हैं गायक ब्र.कु. युगरत्न, समाज सेवी डॉ. ममता शर्मा, स्कूल के मालिक सुनील भाई तथा अन्य मेहमान।